R.N.I. NO UPHIN@ 2013/53179

कानपुर नगर कानपुर देहात उन्नाव हमीरपुर कन्नौज इटावा उरई जालौन लखनऊ आगरा मथुरा औरैया इलाहाबाद से एक साथ प्रसारित

वर्ष - 8
अंक - 214
कानपुर
सोमवार, 12
जुलाई
2021
पृष्ठ - 4
मूल्य 1:00

2 गज की दूरी, मास्क है जरूरी

सोशल रिपोर्टर

हिन्दी दैनिक

सीएसए के वैज्ञानिकों की अनूठी पहल, कृषि समस्याओं का खेत पर ही हल

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह की सफल पहल *सीएसए चला गांव की ओर* के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि थरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों से ही किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के खेत पर ही आयोजित किया गया। डॉ वेदरतन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरमा घुलनशील जैविक फफूंदी नाशक दवा है जो धान, गेहूं, दलहन,औषधीय,गन्ना और सब्जियों की फसल में प्रयोग करने से उसमें लगने वाले फफूंद जनित तना गलन, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव फलदार वृक्षों पर भी लाभदायक है। डॉ वेदरतन ने इस अवसर पर कहा कि किसान अपनी फसलों, सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए बहुतायत में रासायनिक दवाओं का प्रयोग करते हैं। इससे जहां एक ओर फसल की लागत बढ़ जाती है। वहीं फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है। आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है। इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने अपने खेत में लहसुन के बाद पपीता,परवल, मक्का,हल्दी सहित चार फसलों से 1 एकड़ में 25 लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने किसानों से सीधी वार्ता के क्रम में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के सफल मॉडल को अपनाने की बेहतर सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र सिंह ने किसानों की खेती बाड़ी की समस्याओं के निराकरण के साथ ही साथ कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया इस अवसर पर एक 1-1 किलो ट्राइकोडरमा का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया। तथा कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर डॉ साधना वैश्य, डॉक्टर अलका कटियार, डॉक्टर आर ए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला सहित क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

सत्य प्रकाश

हिन्दुस्तान कानपुर • सोमवार • 12 जुलाई 2021 04

सीएसए में आज और कल लगेगा टीका

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में 12 व 13 जुलाई को कोरोना टीकाकरण कैम्प लगेगा। कैम्प में 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के अधिकारी, वैज्ञानिक व कर्मचारी दूसरी डोज लगवा सकेंगे। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान ने बताया कि जिन व्यक्तियों को 14 व 15 अप्रैल को प्रथम टीका लगा था, उन्हें दूसरी डोज लगनी है।

एक नजर में...

कृषि वैज्ञानिकों ने खेत पर ही जाकर किसानों की समस्याओं का किया निराकरण

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह की सफल पहल सीएसए चला गांव की ओर के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेदरतन ने बताया कि थरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों से किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे डॉ. वेदरतन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि ट्राइकोडरमा घुलनशील जैविक फफूंदी नाशक दवा है जिसका प्रयोग धान, गेहूं, दलहन, औषधीय, गन्ना और सब्जियों की फसल में करने से उसमें लगने वाले फफूंद जनित तना गलन, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है तथा फलदार वृक्षों पर भी इसका प्रभाव लाभदायक है। उन्होंने बताया कि किसान अपनी फसलों, सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए रासायनिक दवाओं का प्रयोग अधिक मात्रा में करते हैं जिससे फसल की लागत बढ़ जाती है परंतु फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है तथा इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर एक 1-1 किलो ट्राइकोडरमा का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में जनपद की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ साधना वैश्य, डॉक्टर अलका कटियार, डॉक्टर आर ए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला सहित क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा
कानपुर • सोमवार • 12 जुलाई • 2021

सीएसए चला गांव की ओर, खेत में प्रदर्शनी लगा दी जानकारी

औंग गांव के प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेत में लगायी गई प्रदर्शनी

रासायनिक खादों की जगह ट्राइकोडरमा के प्रयोग के लिए किसानों को किया प्रोत्साहित

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि वैसे तो पहले भी ग्रामीण क्षेत्रों में काम करती रही है, पर अब उसने बकायदा सीएसए चला गांव की ओर अभियान छेड़ा है। सीएसए वैज्ञानिकों की इस अनूठी पहल के तहत किसानों के खेत में पहुंचकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए थरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों में किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन व ऑनलाइन संगोष्ठी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषि विज्ञान केन्द्र थरियांव के वैज्ञानिकों के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में सीएसए के पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेदरत्न ने किसानों को विवि द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरमा घुलनशील जैविक फूफूंदीनाशक दवा है। धान, गेहूं, दलहन, औषधीय पौधे, गन्ना व सब्जियों की फसल में इसके प्रयोग से फफूंदीजनित तना गलन, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। फलदायक वृक्षों पर भी इसका प्रयोग लाभदायक है। उन्होंने किसानों को बताया कि रासायनिक दवाओं के प्रयोग से एक तो फसल की लागत बढ़ जाती है, वहीं फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है।

ट्राइकोडरमा का उपचार फायदेमंद है। इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से काफी कम है।प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने इस अवसर पर अपने खेत में लहसुन के बाद पपीता, परवल , मक्का, हल्दी सहित चार फसलों से एक एकड़ में 5 लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव को साझा किया।

विवि के निदेशक प्रसार/समन्वयक डॉ. एके सिंह ने किसानों को राम सिंह पटेल के मॉडल को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कृषि वैज्ञानिक डॉ. जितेन्द्र सिंह ने किसानों की विभिन्न जिज्ञासाओं व समस्याओं का समाधान किया। इस अवसर पर एक-एक किग्रा ट्राइकोडरमा भी किसानों के बीच वितरित किये गये। डॉ. साधना वैश्य, डॉ. अलका कटियार, डॉ. आरए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला आदि ने कार्यक्रम में भागीदारी की।

सीएसए कर्मियों के लिए कोविड टीकाकरण शिविर आज व कल

कानपुर। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि कर्मियों को कोविड-19 से बचाव को द्वितीय टीका के लिए विवि स्थित मानव चिकित्सा केन्द्र पर 12 व 13 जुलाई को शिविर लगाया जायेगा। यहां विवि के 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के शिक्षकों-स्टॉफ को कोविड-19 से बचाव के लिए दूसरा टीका लगाया जायेगा। विवि मीडिया प्रभारी डॉ. खलील खान के अनुसार जिन विवि कर्मियों को 14 व 15 अप्रैल को प्रथम टीका लग चुका है, उन्हीं कर्मियों को द्वितीय टीका लगाया जायेगा। विवि चिकित्साधिकारी डॉ. एसके सिंह ने बताया कि दोनों दिन मिलाकर करीब 300 टीके के डोज दिये जायेंगे।

WORLD खबर EXPRESS
WORLD खबर एक्सप्रेस
अंक : 284
कानपुर नगर
विश्व जनसंख्या दिवस
11 जुलाई 2021, रविवार
MID DAY E-PAPER

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों की अनूठी पहल

किसानों की समस्याओं का खेत पर ही जाकर 'हल'

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह की सफल पहल 'सीएसए चला गांव की ओर' के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही जाकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया।

पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेदरतन ने बताया कि थरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों से ही किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन और ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र, थरियांव के वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही आयोजित किया। डॉ. वेदरतन ने किसानों को विश्वविद्यालय की विकसित गई ट्राइकोडरमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरमा, घुलनशील जैविक फफूंदी नाशक दवा है जो धान, गेहूं, दलहन, औषधीय, गन्ना और सब्जियों की फसल में प्रयोग करने से उसमें लगने वाले फफूंद जनित तना गलन, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव फलदार वृक्षों पर भी लाभदायक है। डॉ. वेदरतन ने इस अवसर पर कहा कि किसान अपनी फसलों,

सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए बहुतायत में रासायनिक दवाओं का प्रयोग करते हैं। इससे जहां एक ओर फसल की लागत बढ़ जाती है तो वहीं फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है। आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है। इसकी कीमत व लागत, रासायनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने अपने खेत में लहसुन के बाद पपीता, परवल, मक्का, हल्दी सहित 4 फसलों से 1 एकड़ में 5 लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसार एवं समन्वयक डॉ. एके सिंह ने किसानों से सीधी वार्ता के क्रम में किसान राम सिंह पटेल के सफल मॉडल को अपनाने की बेहतर सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ. जितेंद्र सिंह ने किसानों की खेतीबाड़ी की समस्याओं के निराकरण के साथ ही साथ कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया। इस अवसर पर 1-1 किलो ट्राइकोडरमा का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया और सराहना की। इस अवसर पर डॉ. साधना वैश्य, डॉ. अलका कटियार, डॉ. आरए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला सहित क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे।

अमर उजाला
सोमवार • 12.07.2021
02
kanpur.amarujala.com

खेतीबाड़ी संबंधी समस्याओं का किया निराकरण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने रविवार को सीएसए चला गांव की ओर कार्यक्रम में किसानों की खेतीबाड़ी संबंधी समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रो. डॉ. वेदरतन ने बताया कि फतेहपुर के थरियांव कस्बे के औंग गांव में किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संगोष्ठी की गई। किसानों को विवि द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में भी बताया गया। (संवाद)

लखनऊ, सोमवार, 12 जुलाई, 2021 वर्ष : 12, अंक : 267, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/- www.janexpresslive.com/epaper janexpresslive

विश्वविद्यालय कर्मियों को लगेगी वैक्सीन

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव चिकित्सा केंद्र पर सोमवार और मंगलवार को 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को कोविड-19 का द्वितीय टीका लगाया जाएगा। डॉ.खलील खान ने बताया कि 14 व 15 अप्रैल को प्रथम टीका लगवा चुके कर्मियों को ही द्वितीय टीका लगाया जाएगा।

सीएसए के वैज्ञानिकों की अनूठी पहल, कृषि समस्याओं का खेत पर ही हल

सब्जियों में रासायनिक किट का प्रयोग करने से बचें

डीटीएनएनप

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह की सफल पहल सीएसए चला गांव की ओर के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि थरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों से ही किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के खेत पर ही आयोजित किया गया। डॉ वेदरतन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरमा घुलनशील जैविक फफूंदी नाशक दवा है जो धान, गेहूं, दलहन,औषधीय,गन्ना और सब्जियों की फसल में प्रयोग करने से उसमें लगने वाले फफूंद जनित तना गलन, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव फलदार वृक्षों पर भी लाभदायक है।

सब्जियों में रासायनिक कीट का प्रयोग ना करें

डॉ वेदरतन ने इस अवसर पर कहा कि किसान अपनी फसलों, सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए बहुतायत में रासायनिक दवाओं का प्रयोग करते हैं। इससे जहां एक ओर फसल की लागत बढ़ जाती है। वहीं फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है। आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है। इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से कम है।

पपीता परवल मक्का एक साथ करें

इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने अपने खेत में लहसुन के बाद पपीता,परवल, मक्का,हल्दी सहित चार फसलों से 1 एकड़ में □5 लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसार, समन्वयक डॉ एके सिंह ने किसानों से सीधी वार्ता के क्रम में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के सफल मॉडल को अपनाने की बेहतर सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र सिंह ने किसानों की खेती बाड़ी की समस्याओं के निराकरण के साथ ही साथ कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया इस अवसर पर एक 1-1 किलो ट्राइकोडरमा का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया। तथा कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर डॉ साधना वैश्य, डॉक्टर अलका कटियार, डॉक्टर आर ए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला सहित क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

आज
कानपुर
12 जुलाई 2021
5

खेती की समस्याओं का निस्तारण करेंगे कृषि वैज्ञानिक

कानपुर, 11 जुलाई। सीएसए के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह की सफल पहल सीएसए चला गांव की ओर के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेती-बाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रो व डॉक्टर वेदरतन ने बताया कि थरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों से ही किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के खेत पर ही आयोजित किया गया। डॉ वेदरतन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरमा घुलनशील जैविक फफूंदी नाशक दवा है जो धान, गेहूं, दलहन,औषधीय,गन्ना और सब्जियों की फसल में प्रयोग करने से उसमें लगने वाले फफूंद जनित तना गलन, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव फलदार वृक्षों पर भी लाभदायक है। डॉ वेदरतन ने इस अवसर पर कहा कि किसान अपनी फसलों, सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए बहुतायत में रासायनिक दवाओं का प्रयोग करते हैं। आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है। इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने अपने खेत में लहसुन के बाद पपीता,परवल, मक्का,हल्दी सहित चार फसलों से 1 एकड़ में 75 लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने किसानों से सीधी बातों के क्रम में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के सफल मॉडल को अपनाने की बेहतर सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र सिंह ने किसानों की खेती बाड़ी की समस्याओं के निराकरण के साथ ही साथ कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया इस अवसर पर एक 1-1 किलो ट्राइकोडरमा का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने बचुंअल प्रतिभाग किया। इस अवसर पर डॉ साधना वैश्य, डॉक्टर अलका कटियार, डॉ आर ए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला सहित क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

सीएसए के वैज्ञानिकों की अनूठी पहल, उत्पादन बढ़ाने पर जोर देंगे

खेतों में समस्या का निस्तारण करते वैज्ञानिक।

सीएसए कर्मियों को 2 दिन लगेगी वैक्सीन की दूसरी डोज

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 11 जुलाई। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मानव चिकित्सा केंद्र पर 2 दिन (दिनांक 12 एवं 13 जुलाई 2021) विश्वविद्यालय के 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के अधिकारियों/वैज्ञानिकों/ शिक्षकों एवं कर्मचारियों के कोविड-19 का द्वितीय टीका लगेगा। विश्वविद्यालय की मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि जिन विश्वविद्यालय कर्मियों के 14 एवं 15 अप्रैल 2021 को प्रथम टीका लग चुका है। उन्हीं कर्मियों को द्वितीय टीका लगाया जाएगा । विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ एसके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के मानव स्वास्थ्य केंद्र पर प्रातः 10.00 बजे से स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा टीकाकरण का कार्य शुरू हो जाएगा। प्रथम दिन 150 एवं दूसरे दिन 150 कुल 300 कोविड-19 के द्वितीय टीके लगाए जाएंगे।

हिन्दुस्तान
कानपुर • सोमवार • 12 जुलाई 2021
06

खेतों पर हल होंगी कृषि की समस्याएं

कानपुर। अब वैज्ञानिक ही खेतों पर जाकर कृषि समस्याओं को हल करेंगे। इसको लेकर सीएसए के वैज्ञानिकों ने अनूठी पहल की है। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए भी वैज्ञानिक खेतों पर जाकर प्रजेंटेशन करने के साथ संगोष्ठी आयोजित करेंगे।

कुलपति डॉ. डीआर सिंह के निर्देशन में विवि चला गांव की ओर अभियान की शुरुआत की गई है। इसके तहत वैज्ञानिक किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निस्तारण करेंगे। विवि की ओर से थरियांव गांव में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों में संगोष्ठी का आयोजन हुआ। राम सिंह पटेल लहसुन के बाद पपीता, परवल, मक्का, हल्दी समेत चार फसलों से एक एकड़ में 5 लाख रुपये प्रति वर्ष आय कर रहे हैं। इसे किसान मॉडल के रूप में देख सकते हैं। डॉ. साधना वैश्य, डॉ. अलका कटियार, डॉ. आरए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला, डॉ. खलील आदि रहे।

111 (1).pdf - Read-only

वर्ष: 6, अंक : 98 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, सोमवार
12 जुलाई, 2021
मूल्य ₹ 2.00

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक

www.shashwattimes.com

मायावती ने बोला हमला, सरकारें बढ़ती महंगाई को लेकर गंभीर नहीं...6

सीएसए के वैज्ञानिकों की अनूठी पहल कृषि समस्याओं का खेत पर ही हल

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह की सफल पहल सीएसए चला गांव की ओर के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर केदारन ने बताया कि थरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों से ही किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के खेत पर ही आयोजित किया गया। डॉ केदारन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरमा घुलनशील जैविक फफूंदी नाशक दवा है जो धान, गेहूं दलहन,औषधीय,गन्ना और सब्जियों की फसल में प्रयोग करने से उसमें लगने वाले फफूंद जनित तना गलन, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव फलदार वृक्षों पर भी लाभदायक है। डॉ केदारन ने इस अवसर पर कहा कि किसान अपनी फसलों, सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए बहुतायत में रासायनिक दवाओं का प्रयोग करते है। इससे जहां एक ओर फसल की लागत बढ़ जाती है। वहीं फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है। आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है। इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने अपने खेत में लहसुन के बाद पपीता,परवल, मक्का,हल्दी सहित चार फसलों से 1 एकड़ में ₹5 लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने किसानों से सीधी बातों के क्रम में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के सफल मॉडल को अपनाने की बेहतर सलाह दी।

gmail.com, vidhankesarinews@gmail.com

हिन्दी दैनिक

विधान केसरी

...खबर सिर्फ जनहित के लिए

लखनऊ संस्करण, सोमवार 12 जुलाई 2021 (वर्ष-9 अंक 21), मूल्य-2.00 रुपये पृष्ठ-16

खेती से आय दोगुनी हो, इस सफल मॉडल का प्रदर्शन खेत में वैज्ञानिकों ने किया

कानपुर (विधान केसरी)। सीएसए के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह की सफल पहल सीएसए चला गांव की ओर के क्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के खेत पर ही चलकर खेतीबाड़ी से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया। पादप रोग विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डॉ. वेदरतन ने बताया कि थरियांव के ग्राम औंग में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के खेतों से ही किसानों की आय दोगुनी करने के सफल मॉडल का प्रदर्शन एवं ऑनलाइन संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र थरियांव के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों के खेत पर ही आयोजित किया गया। डॉ वेदरतन ने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित ट्राइकोडरमा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ट्राइकोडरमा घुलनशील जैविक फफूंदी नाशक दवा है जो धान, गेहूं, दलहन,औषधीय,गन्ना और सब्जियों की फसल में प्रयोग करने से उसमें लगने वाले फफूंद जनित तना गलन, उकठा आदि रोगों से निजात मिल जाती है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव फलदार वृक्षों पर भी लाभदायक है। डॉ वेदरतन ने इस अवसर पर कहा कि किसान अपनी फसलों, सब्जियों को रोगों से बचाने के लिए बहुतायत में रासायनिक दवाओं का प्रयोग करते हैं। इससे जहां एक ओर फसल की लागत बढ़ जाती है। वहीं फसलों में विष का प्रभाव किसी न किसी रूप में रहता है। आधुनिक तकनीकी में ट्राइकोडरमा का उपचार हर हाल में फायदेमंद है। इसकी कीमत व लागत रासायनिक दवाओं से कम है। इस अवसर पर प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल ने अपने खेत में लहसुन के बाद पपीता,परवल, मक्का,हल्दी सहित चार फसलों से 1 एकड़ में 75 लाख प्रति वर्ष आय अर्जन के सफल मॉडल के अनुभव भी साझा किए। इस मौके पर विश्वविद्यालय से निदेशक प्रसार/ समन्वयक डॉ एके सिंह ने किसानों से सीधी वार्ता के क्रम में प्रगतिशील किसान राम सिंह पटेल के सफल मॉडल को अपनाने की बेहतर सलाह दी। कृषि वैज्ञानिक डॉ जितेंद्र सिंह ने किसानों की खेती बाड़ी की समस्याओं के निराकरण के साथ ही साथ कार्यक्रम का सफल संचालन भी किया इस अवसर पर एक 1-1 किलो ट्राइकोडरमा का वितरण भी किया गया। इस कार्यक्रम में जनपद की एक सैकड़ा से अधिक किसानों ने वर्चुअल प्रतिभाग किया। तथा कार्यक्रम की सराहना की। इस अवसर पर डॉ साधना वैश्य, डॉक्टर अलका कटियार, डॉक्टर आर ए त्रिपाठी, सचिन शुक्ला सहित क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

111 (1).pdf - Read-only

वर्ष : 6, अंक : 98 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, सोमवार
12 जुलाई, 2021
मूल्य ₹ 2.00

शाश्वत टाइम्स
हिन्दी दैनिक

www.shashwattimes.com

मायावती ने बोला हमला, सरकारें बढ़ती महंगाई को लेकर गंभीर नहीं....6

सीएसए कर्मियों को 2 दिन लगेगा कोविड-19 का द्वितीय टीका

शाश्वत टाइम्स

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मानव चिकित्सा केंद्र पर 2 दिन (दिनांक 12 एवं 13 जुलाई 2021) विश्वविद्यालय के 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के अधिकारियों/वैज्ञानिकों/ शिक्षकों एवं कर्मचारियों के कोविड-19 का द्वितीय टीका लगेगा। विश्वविद्यालय की मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि जिन विश्वविद्यालय कर्मियों के 14 एवं 15 अप्रैल 2021 को प्रथम टीका लग चुका है। उन्हीं कर्मियों को द्वितीय टीका लगाया जाएगा । विश्वविद्यालय के चिकित्सा अधिकारी डॉ एसके सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के मानव स्वास्थ्य केंद्र पर प्रातः 10ः00 बजे से स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा टीकाकरण का कार्य शुरू हो जाएगा। प्रथम दिन 150 एवं दूसरे दिन 150 कुल 300 कोविड-19 के द्वितीय टीके लगाए जाएंगे।